मेवाड़ विश्वविद्यालय में गाँधी और शास्त्री जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

▪ दास्ताने भीलवाड़ा @ गंगरार

सत्य, अहिंसा, सद्भाव और स्वावलम्बन के प्रतीक थे गाँधी जी। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में गाँधी एवं शास्त्री जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित हुए कार्यक्रम में प्रति कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कही। मेवाड़ विश्वविद्यालय स्थित गाँधी संग्रहालय की निदेशक प्रो० (डॉ०) चित्रलेखा सिंह ने गाँधी और शास्त्री के योगदानों को याद करते हुए कहा कि किसी भी महापुरुष की जयंती मनाने के पीछे का उद्देश्य उनके जीवन की महानतम बातों को स्वयं में आत्मसात करना है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ० अशोक कुमार गदिया और कुलपति प्रो. सर्वोत्तम दीक्षित ने ऑनलाइन माध्यम से सफल कार्यक्रम की हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विधि विभाग के विद्यार्थियों ने गाँधी जी के जीवन पर नाट्य प्रस्तुती दी। अक्षिता और नन्दिनी ने देशभक्ति से ओत-प्रोत समूह नृत्य प्रस्तुत किया। अन्तरराष्ट्रीय विद्यार्थी सामंथा, वारेन एस. पी. और इबरत जहाँ ने गाँधी जी पर आधारित कविता का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन बीए एल. एल. बी की विद्यार्थी मिन लैम ने तथा धन्यवाद ज्ञापन विधि विभागाध्यक्ष लविना चपलोत ने किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वंदना एवं कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर डायरेक्टर अकादमिक डी. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, डीन इंजीनियरिंग डॉ० ए. आर. राजा, डीन एग्रीकल्चरल प्रो० सुदर्शन, प्रो० एस. राणा, गाँधी शोधपीठ के सहायक निदेशक डॉ० सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ० नीलू जैन, वंदना चुण्डावत, डॉ० गंगा बिस्वा, निरमा शर्मा, गीतांजलि शर्मा, सुप्रिया चैधरी, इबाशीष, रौशनी कसौधन, अंजलि त्रिपाठी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें ।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में गाँधी और शास्त्री जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

अछूतों के नेता थे महात्मा गाँधी और शास्त्री जी ने मुश्किल दौर में भी बनाए रखा देश का मानः आनन्द वर्द्धन शुक्ल

चमकता राजस्थान

गंगरार(अमित कुमार चेचानी)। सत्य, अहिंसा, सद्भाव और स्वावलम्बन के प्रतीक थे गाँधी जी। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय में गाँधी एवं शास्त्री जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित हुए कार्यक्रम में प्रति कुलपति आनन्द वर्द्धन शुक्ल ने कही। उन्होंने आगे कहा कि गाँधी ने अंग्रेजों की वैचारिकी पर चोट की। वह असल मायने में अछूतों के नेता थे। लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जय जयवान, जय किसान का नारा देने वाले लाल बहादुर शास्त्री ने मुश्किल समय में देश को सम्भाला और देश का मान बनाए रखा। कई अभूतपूर्व सुधारों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि शास्त्री जी ने ही पहली बार भ्रष्टाचार निरोधक विभाग, नेशनल डेयरी बोर्ड सहित कई क्रान्तिकारी शुरूआत की। मेवाड़ विश्वविद्यालय स्थित गाँधी संग्रहालय की निदेशक प्रो० (डॉ०) चित्रलेखा सिंह ने गाँधी और शास्त्री के योगदानों को याद करते हुए कहा कि किसी भी महापुरुष की जयंती मनाने के पीछे का उद्देश्य उनके जीवन की महानतम बातों को स्वयं में आत्मसात करना है। मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ० अशोक कुमार गदिया और कुलपति प्रो. सर्वोत्तम दीक्षित ने ऑनलाइन माध्यम से सफल कार्यक्रम की हार्दिक शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में विधि विभाग के विद्यार्थियों ने गाँधी जी के जीवन पर नाट्य प्रस्तुती दी। अक्षिता और नन्दिनी ने देशभक्ति से ओत-प्रोत समूह नृत्य प्रस्तुत किया। अन्तरराष्ट्रीय विद्यार्थी सामंथा, वारेन एस. पी. और इबरत जहाँ ने गाँधी जी पर आधारित कविता का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन बीए एल. एल. बी की विद्यार्थी मिन लैम ने तथा धन्यवाद ज्ञापन विधि विभागाध्यक्ष लविना चपलोत ने किया। कार्यक्रम का आरम्भ सरस्वती वंदना एवं कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर डायरेक्टर अकादमिक डी. के. शर्मा, डायरेक्टर ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हरीश गुरनानी, उपकुलसचिव दीप्ति शास्त्री, डीन इंजीनियरिंग डॉ० ए. आर. राजा, डीन एग्रीकल्चरल प्रो० सुदर्शन, प्रो० एस. राणा, गाँधी शोधपीठ के सहायक निदेशक डॉ० सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ० नीलू जैन, वंदना चुण्डावत, डॉ० गंगा बिस्वा, निरमा शर्मा, गीतांजलि शर्मा, सुप्रिया चैधरी, इबाशीष, रौशनी कसौधन, अंजलि त्रिपाठी सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें ।